

डीपसीक ने मचाया पूरी दुनिया में तहलका

- चीन की एआइ ने सूचना तकनीक की दुनिया में अमेरिका को पछाड़ा
- राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही लग गया झटका

दो दिन पहले दुनिया भर के शेयर बाजार बुरी तरह गिरने लगे। अचानक पैदा हुई इस गिरावट का कारण चीन द्वारा विकसित एआइ टॉल डीपसीक को माना गया, जिसने सूचना तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका को पछाड़ दिया है। डीपसीक का असर दुनिया भर में पड़ा, तो भारत भी इससे अछूता नहीं रह सका। चीन आर्थिक, संचय और तकनीक के क्षेत्र में बादशाह हासिल करने के दुनिया का बाँस बनना चाहता है, यह बात किसी से लिपी हुई देने के लिए तैयार होती है।

अन्य एआइ मॉडल की तरह डीपसीक ऐप को संचालित करने वाले पैटेन्ट की पहचान करने, भविष्यवाणियां करने और समस्याओं को हल करने के लिए भारी मात्रा में डाटा को संसाधित कर सकता है। इस एआइ मॉडल को जुलाई तक के डाटा पर प्रशिक्षित किया गया है। इसलिए यह अधिक हालिया घटनाओं के बारे में नहीं जानता है, लेकिन एक खोज विकल्प अधिक नवीनतम जानकारी और सुधारियों को स्कैन कर सकता है। इसके अलावा अधिक ऐप्स एक तरह डीपसीक बड़ी मात्रा में लक्षित जानकारी एकत्र और संग्रहित कर सकता है। आप गूगल ड्रेसेस पर डीपसीक खोजिये। अफ्रीका के कुछ देशों और ग्रीनलैंड को छोड़ दुनिया का कोई हिस्सा नहीं, जहां लोग बड़ी संख्या में इसके बारे में नहीं खोज रहे हैं। इस चीजीं कंपनी ने ऐसा क्या कि दुनिया इसकी टेक्नोलॉजी को स्कैन कर रहा है, जैसे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में वे इंटरनेट और एआइ के बाद का

राहुल सिंह

भारत में जहां देखिए सिर्फ महाकुंभ की चर्चा है, लेकिन इंटरनेट सर्च बताता है कि यह बात पूरी तरह सच नहीं है। एक और कीवर्ट खूब खोजा जा रहा है, डीपसीक का यह चीनी एआइ मॉडल को जुलाई तक के डाटा पर प्रशिक्षित किया गया है। इसलिए यह अधिक हालिया घटनाओं के बारे में नहीं जानता है, लेकिन एक खोज विकल्प अधिक नवीनतम जानकारी और सुधारियों को स्कैन कर सकता है। इसके अलावा अधिक ऐप्स एक तरह डीपसीक बड़ी मात्रा में लक्षित जानकारी एकत्र और संग्रहित कर सकता है। आप गूगल ड्रेसेस पर डीपसीक खोजिये। अफ्रीका के कुछ देशों और ग्रीनलैंड को छोड़ दुनिया का कोई हिस्सा नहीं, जहां लोग बड़ी संख्या में इसके बारे में नहीं खोज रहे हैं। इस चीजीं कंपनी ने ऐसा क्या कि दुनिया इसकी टेक्नोलॉजी को स्कैन कर रहा है, जैसे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में वे इंटरनेट और एआइ के बाद का

क्या है एआइ चैटबॉट डीपसीक

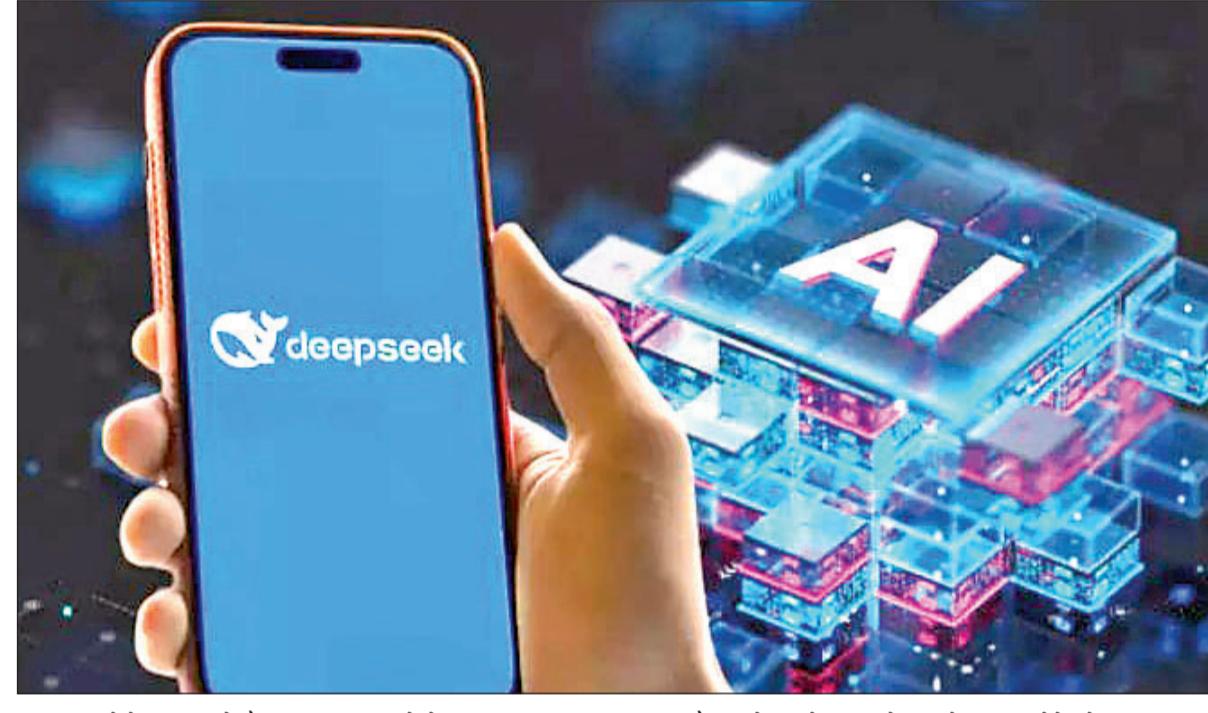
पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लेने वाली डीपसीक एक चीजीं एआइ कंपनी है। अगर आपने चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया है, तो आप जानते होंगे कि

जिस तरह चुपचाप पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुट जाता है, वह दुनिया के लिए प्रेरक भी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में अमेरिकी दबदबे को चुनौती देते हुए चीनी एआइ चैटबॉट डीपसीक ने जिस तरह वॉल स्ट्रीट, सिलिंगन बैली और वाशिंगटन तथा दुनिया

आजाद सिपाही विशेष

अमेरिका में एप्पल स्टोर पर डाउनलोड के मामले में शीर्ष पर रहा। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार डीपसीक की सफलता से पता

चलता है कि चीनी एआइ डेवलपर महंगे, उच्च-स्तरीय हार्डवेयर तक पहुंच के बिना भी अपने अमेरिकी समकक्षों की बराबर कर सकते हैं। इस समय इंटरनेट पर मौजूद हर उपयोक्ता डीपसीक के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाह रहा है। इसलिए इस ऐप की खासियत और इसकी निर्माता कंपनी के बारे में जानना बेहद जरूरी है। क्या है डीपसीक और क्या है इसकी खासियत और दुनिया पर इसका क्या होगा असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता गढ़ल रिंग।



प्रतिबद्धित दोनों बाने सकते हैं।

सरल शब्दों में कहें तो डीपसीक एक एडवांस एआइ मॉडल है, जिसे हाँगों में स्थित एक रिसर्च लैब में डेवलप किया गया है। इसे 2023 में लियांग वेनफोन ने बनाया है। लियांग एआइ और बैकांटेटिव फाइंडर्स में एक्सर्पर्ट है। डीपसीक वी-3 एक प्री और अपने सोसेर्स एआइ सिस्टम है, जिसमें किफायती एआइ हार्डवेयर का इस्तेमाल किया जाता है।

डीपसीक बनाने वाले लियांग वेनफोन

लियांग वेनफोन को चीन का सैम ऑल्टमैन भी कहते हैं।

लियांग इंडस्ट्री में एक डार्कहॉर्स के रूप में उभरे हैं। हालांकि, यहां

तक पहुंचने के लिए उनका सफर दिलचस्प रहा है। वे 1980 के दशक में चीन के पांचवें दर्जे के शहर ग्वांगदोंग में पैदा बढ़े। जैसा कि उन्होंने 2024 के एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता एक प्राप्रमी स्कूल के टीचर थे।

दूसरे टूल्स से काफी सस्ता

इस एआइ कंपनी डीपसीक ने असल में किया क्या है, कैसे इसके आने से पूरी दुनिया में एआइ को लेकर तहलका मच गया है। चीन की ये कंपनी बाबा के बाद से एक अहम घटनाएँ आने के बाद डॉलर में एआइ को अलग-अलग अनुमानों के मुताबिक इसे चलाने का खर्च 50 से 80 फौसदी कम है।

ज्यादा है। विशेषज्ञ टेस्ट करके बता चुके हैं कि कई मामलों में वह प्रतिबद्ध एआइ टूल से बेहतर है, जबकि यह उनसे कम जटिल है और अलग-अलग अनुमानों के मुताबिक इसे चलाने का खर्च 50 से 80 फौसदी कम है।

पूरा ऑपरेशन हो जायेगा सस्ता

एआइ इकोसिस्टम बनाने के लिए हार्डवेयर, डेटा सेंटर और ब्रिजली की जरूरत होती है। चीनी एआइ इकोसिस्टम की हाल तो दुनिया ने देखा, लेकिन इंटरनेट संबंधी हार्डवेयर बनाने वाली कंपनी ब्रांडकॉम, भारत की कंपनियां नेटवेक टेक्नोलॉजी, अनंतराज और इड का हाल इसे भी बुरा कहते हैं, लेकिन एक दर्द देखते नहीं खोजते हैं। मरीन को ऐसे करते हैं।

को हिला देने के बाद इहाँ कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिला। अमेरिकी कंपनी एनीडिया का हाल तो दुनिया ने देखा, लेकिन इंटरनेट संबंधी हार्डवेयर बनाने वाली कंपनी ब्रांडकॉम, भारत की कंपनियां नेटवेक टेक्नोलॉजी, अनंतराज और इड का हाल इसे भी बुरा कहते हैं। ये कंपनियां डेटा सेंटर बनाने के बाद देखते नहीं खोजते हैं। मरीन को ऐसे करते हैं।

अमेरिकी दबदबे को चुनौती

दरअसल दुनिया में अमेरिका के बिना एआइ का कोई भविष्य देखा नहीं जा रहा था। अमेरिका भी इसी मुहालते में था कि उसके बिना एआइ की बड़ी खोज कहीं और नहीं की जा सकती। हाल ही

वैसे एक नये खिलाड़ी का मार्ग अभी बढ़ती ही जायेगी। और दूसरे दौर में एनवीडिया की गिरावट से उसकी लंबाई दौर की मजबूती पर असर नहीं पड़ेगा।

वैसे एक नये खिलाड़ी का एआइ सेक्टर में आना उपयोक्ताओं के लिए तो फारेंटेंट ही है। ज्यादातर जनरल इंटेलिजेंस के मॉडल का योग्यता लगाने पर केंद्रित होते हैं, लेकिन कोई बादल इसकी कोई खासियत नहीं है। योग्यता की सेवाएं काफी सस्ती हो रही हैं। इससे भले ही एआइ टेक्नोलॉजी का प्रयोग भी बहुत ज्यादा हो रहा है। ये कंपनियां डेटा सेंटर बनाने के बाद देखते नहीं खोजते हैं। इसलिए एआइ का अहम असर उसकी ताकियां और इंजीनियर चीन वापस जाकर अपना एआइ स्टार्टअप शुरू कर चुके हैं।

ज्यादातर अर्थात् जनरल इंटेलिजेंस के मॉडल का योग्यता लगाने पर केंद्रित होते हैं, लेकिन कोई बादल इसकी कोई खासियत नहीं है। ये कंपनियां डेटा सेंटर बनाने के बाद देखते नहीं खोजते हैं। इसलिए एआइ का अहम असर उसकी ताकियां और इंजीनियर चीन वापस जाकर अपना एआइ स्टार्टअप शुरू कर चुके हैं।

कर्तव्य है एआइ चैटबॉट डीपसीक

पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लेने वाली डीपसीक एक चीजीं एआइ कंपनी है। बाहरी आपने चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया है, तो आप जानते होंगे कि

एक करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर की महिला मित्र हेमंती का मार गिराया है। दोनों ही अनल के लिए बहुत ज्यादा खास थे। सजय सगठन में जोनल कमांडर और हेमंती की बात जीपीटी के अनुसार एक चीजीं एआइ कंपनी है। बाहरी आपने चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया है।

पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लेने वाली डीपसीक एक चीजीं एआइ कंपनी है। बाहरी आपने चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया है।

एक करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर की महिला मित्र हेमंती का मार गिराया ह

गुमला

संसद सत्र में भाग लेने दिल्ली पहुंचे सुखदेव भगत



आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। लोहरदगा लोकसभा के संसद सुखदेव भगत 31 जनवरी से प्रारंभ होने वाले संसद के बजट सत्र में भाग लेने के लिए उड़े ने कहा कि भारत के महात्मा गांधी के प्रतिमा पर अद्वा सुमन फूल अपरित अद्वा जल दी गयी।

धनबाद/बोकाया/बेटक

नप के सफाई कर्मचारियों से अभद्रता करने वाला सुपरवाइजर 10 दिनों के लिए सरप्तें

आदत में सुधार नहीं लाने पर काम से हटा देने की भी मिली चेतावनी

आजाद सिपाही संचादाता

फुसरों/बैठकों। फुसरों नगर परिषद के अधीन कार्यरत सॉलिड बैटर मैनेजमेंट कंपनी के सुपरवाइजर श्रवण कुमार महतो को सफाई कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने और जाती सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर गुरुवार से 10 दिनों के लिए काम से बैठा दिया गया है। इसके पहले उत्तर मुद्दे को लेकर नप कार्यालय सभागार में बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता नप के पूर्व अध्यक्ष संविधायक प्रतिनिधि राकेश कुमार उर्फ़ चुनू सिंह ने की। इसमें सॉलिड बैटर मैनेजमेंट कंपनी के प्रतिनिधि अधिकारी सिंह, भारतीय सुदूरशन महासंघ झारखण्ड प्रदेश के



बैठक में उपस्थित विधायक-कंपनी के प्रतिनिधि व चालक-सफाई कर्मी।

सरस्वती पूजा में डीजे बजाने पर पूर्ण रोक

धनसार (आजाद सिपाही)। थाना परिसर में गुरुवार को सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता धनसार थाना प्रभारी मनोज पांडे ने की। उन्होंने कहा कि सरस्वती पूजा से लेकर विसर्जन तक डीजे बजाने पर पूर्ण रोक रहेगी। अगर किसी ने डीजे बजाया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। साथ ही डीजे मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। वहीं, विसर्जन के दौरान हुड़ियों पर नजर रखी जाएगी। इस मौके पर रवि मिश्र, रिंकू सिंह, कुल्लू चौधरी, मनोज चौहान, संतोष कुशवाहा, मेवालाल खटिक, मदन महतो और जीरखन सिंह आदि उपस्थित थे।

इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद की जन कल्याणकारी कार्यों को लेकर बैठक



धनबाद (आजाद सिपाही)। शास्त्री नगर स्थित 17 डिग्री होटल में गुरुवार को इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद की बैठक हुई। जिसमें उपस्थित जिला अध्यक्ष आलोक नंदा बर्खी ने बतल की जनकल्याणकारी एवं सामाजिक क्रियाकालाप का मूल्यांकन करने पहुंची थीं। बतल की सदस्याओं ने पुष्पगृह एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनन्दन किया। सर्वथाम कार्यक्रम की शुरूआत संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद बैठक में 2024 में हुए क्रियाकालापों एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की गई। जिला चेयरमैन बतल की ओर से पूर्व में किए गए कार्यों से संतुष्ट हुई और इन व्हील के धनबाद के पदाधिकारी-सदस्याओं को आगामी कार्यक्रमों के लिए आवश्यक दिशा दिए। इस मौके पर इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद की प्रेसिडेंट लीना ज्ञा, ट्रेजर रेनू कौशल, सेक्रेट्री रितु श्रीवास्तव, एडिटर गीता चौधे, रोजनी ज्ञा, उषा सिंह आदि उपस्थित थे।

चेक बाउंस मामले में छह महीने की जेल

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति ने चेक बाउंस मामले में दोषी बोकारो थमेल थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी संदीप कुमार को छह महीने जेल की सजा सुनाई। साथ ही दो लाख रुपये नमोना की सजा दीया गया। बताते चले कि परिवारी तुलबुल निवासी सुधीर कुमार ने तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम की न्यायालय में 2022 में एक परिवार पत्र दाखिल किया था। बताया था कि उसकी ओर अधिकुर संवैध कुमार की फहले से दोस्ती थी। ऐसताना कर्ज में एक ताल्ख 65 हजार रुपए दिए थे। इसके बदले अधिकुर ने परिवारी को चेक दिया था। जिसे बैंक में डालने पर वह बाउंस हो गया। इसी जानकारी उसे देने पर भी उसने पैसा नहीं लौटाया था।

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति ने चेक बाउंस मामले में दोषी बोकारो थमेल थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी संदीप कुमार को छह महीने जेल की सजा सुनाई। साथ ही दो लाख रुपये नमोना की सजा दीया गया। बताते चले कि परिवारी तुलबुल निवासी सुधीर कुमार ने तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम की न्यायालय में 2022 में एक परिवार पत्र दाखिल किया था। बताया था कि उसकी ओर अधिकुर संवैध कुमार की फहले से दोस्ती थी। ऐसताना कर्ज में एक ताल्ख 65 हजार रुपए दिए थे। इसके बदले अधिकुर ने परिवारी को चेक दिया था। जिसे बैंक में डालने पर वह बाउंस हो गया। इसी जानकारी उसे देने पर भी उसने पैसा नहीं लौटाया था।

उम्जत चिकित्सा सुविधाओं के लिए जेपी अस्पताल एवं हॉसआइसी ने किया एमओयू पर हस्ताक्षर

इस्सआइसी के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का निश्चल इलाज करेगा जेपी अस्पताल : नित्यानंद



आजाद सिपाही संचादाता

धनबाद। शहर के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान जेपी अस्पताल और रिसर्च सेंटर ने कर्मचारी राज्य बीमा नियम (इस्सआइसी) के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते के तहत, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके बाद अप्सरा नियमित व्यवहार के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद जेपी अस्पताल ने इस्सआइसी के विभिन्न क्षेत्रों में इस्सआइलायथों-कर्मचारियों को सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और सुपर स्पेशलियटी सेवाएं और नन्तर चिकित्सा सुविध

